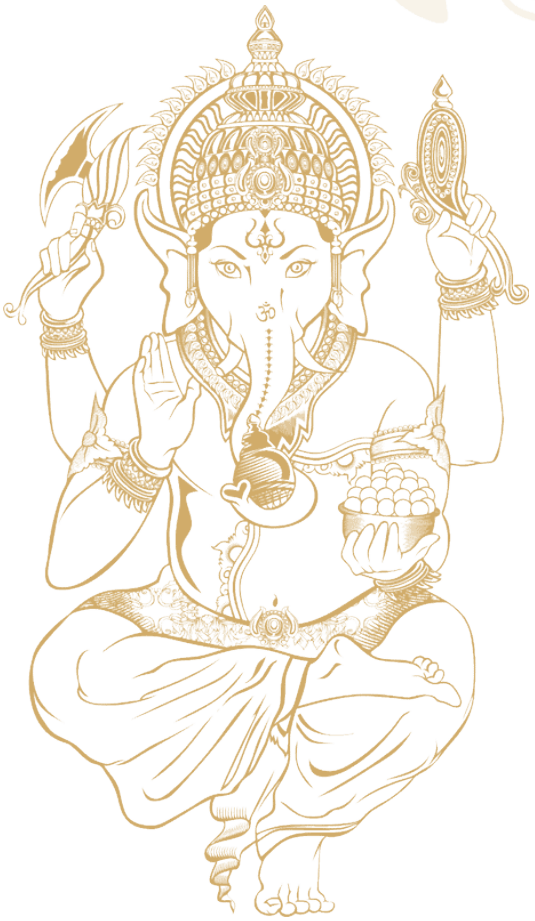

Rahul Dikdha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121079406

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/02/1999	जन्म तिथि	14/09/2000
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 21:00:00	जन्म समय	15:23:00 घंटे
घटी 35:11:58	जन्म समय(घटी)	22:45:08 घटी
India	देश	India
Barwani	स्थान	Ujjain
22:02:00 उत्तर	अक्षांश	23:11:00 उत्तर
74:56:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:16	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:55:12	सूर्योदय	06:12:59
18:31:54	सूर्यास्त	18:30:56
23:50:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:45

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 5वर्ष 11मा 17दि		17:43:07	कन्या	लग्न		मक	02:29:09	शनि 16वर्ष 7मा 11दि	
शनि		12:44:06	कुंभ	सूर्य		सिंह	28:01:09	बुध	
12/02/2021		15:34:55	मिथु	चंद्र		मीन	05:00:23	27/04/2017	
13/02/2040		15:55:28	तुला	मंगल		सिंह	04:29:42	27/04/2034	
शनि	16/02/2024	29:07:32	कुंभ	बुध		कन्या	16:25:41	बुध	24/09/2019
बुध	26/10/2026	08:59:12	मीन	गुरु		वृष	16:59:31	केतु	20/09/2020
केतु	05/12/2027	10:48:36	मीन	शुक्र		कन्या	23:37:21	शुक्र	22/07/2023
शुक्र	03/02/2031	05:49:58	मेष	शनि	व	वृष	07:06:46	सूर्य	27/05/2024
सूर्य	16/01/2032	28:16:18	कर्क	राहु	व	मिथु	29:04:59	चन्द्र	27/10/2025
चन्द्र	16/08/2033	28:16:18	मक	केतु	व	धनु	29:04:59	मंगल	24/10/2026
मंगल	25/09/2034	20:16:02	मक	हर्ष	व	मक	23:43:37	राहु	12/05/2029
राहु	01/08/2037	09:15:28	मक	नेप	व	मक	10:11:10	गुरु	18/08/2031
गुरु	13/02/2040	16:34:42	वृश्चि	प्लूटो		वृश्चि	16:27:18	शनि	27/04/2034

लग्न-चलित

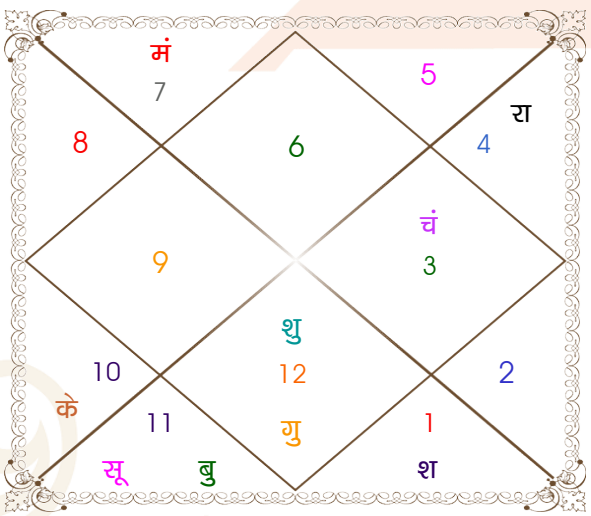

लग्न-चलित

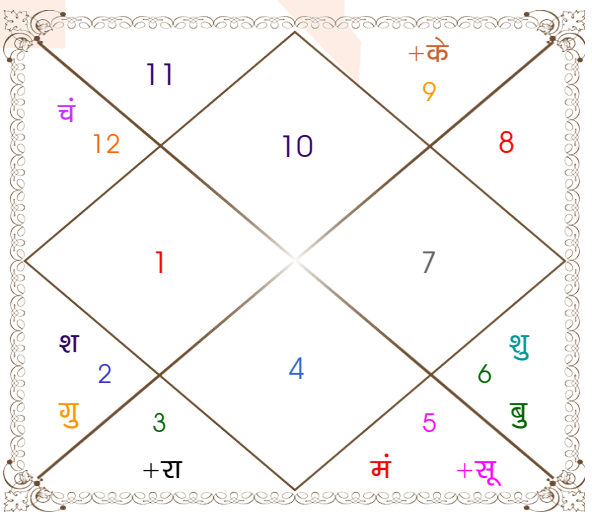

Devadas
Devadas maharaj
+919425087108-9425087109
devadasmaharaj@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Rahul का वर्ग मार्जार है तथा Dikdha का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rahul और Dikdha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Rahul मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Dikdha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Rahul कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Rahul कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rahul तथा Dikdha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Devadas
Devadas maharaj
+919425087108-9425087109
devadasmaharaj@gmail.com